वास्तु सम्मत फ्लैट का चुनाव कैसे करें ?

शहरों व महानगरों की बढ़ती आबादी के कारण भूमि की उपलब्धता कम होती जा रही है. इस कारण जमीन-जायदाद की कीमतें आसमान छू रही हैं. अच्छे लाभ के लिए कई बिल्डर भूखंड के एक-एक इंच का उपयोग कर लेना चाहते हैं. इसी कारण बहुमंजिली इमारतों के निर्माण में वास्तुशास्त्र के सिद्धांतों का पालन सही तरीके से नहीं हो पाता.

वास्तुदोष युक्त किसी बहुमंजिली इमारत में जब कोई व्यक्ति रहने आता है तो वहां उसके जीवन में अनेक समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं. ऐसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए व्यक्ति यदि फ्लैट खरीदते समय वास्तुशास्त्र के सिद्धांतों का ध्यान रखे तो सुखमय जीवन व्यतीत करते हुए खूब तरक्की कर सकता है.

खरीददार उलझन में रहते हैं की जब प्रत्येक बिल्डर अपने हर फ्लैट को 100% वास्तु सम्मत बताता है तो ऐसे में सही फ्लैट का चुनाव कैसे किया जाये ?

ग्राहकों को हर प्रोजेक्ट का गहराई से अध्यन करने के बाद ही निर्णय लेना चाहिए.

यहां बताये बातों पर अमल करके आप इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं-

- सबसे पहले ऐसे प्रोजेक्ट्स जो की श्मशान, कब्रस्तान, श्मशान, बूचड़खाना या बड़े अस्पतालों के करीब हैं या उन्हें छोड़ दे, इन स्थानों से निकलने वाली ऋणात्मक ऊर्जा आपके पारिवारिक जीवन में अनेक तरह की मुसीबतें ला सकती है.
- जिस बिल्डिंग में आप फ्लैट लेना चाहते है यदि उसके बहुत करीब से (80 फीट तक) बिजली की हाईटेंशन लाइन जा रही है या आपके फ्लैट के ऊपर माइक्रोवेव टावर लगा है तो उसका भी परित्याग कर दें.
- बचे हुए प्रोजेक्ट्स में से जिसके ईशान दिशा याने उत्तर और पूर्व दिशा के बीच कोण में यदि ऊंचा टीला या पहाड़ हो, सेप्टिक टैंक हो तो उसे भी अपनी लिस्ट से बाहर करें.
- बचे हुए प्रोजेक्ट्स में से जिस प्रोजेक्ट् के दक्षिण पश्चिम में नदी तालाब या खाई हो उसका भी तिरस्कार कर दें.
- बचे रह गए प्रोजेक्ट्स में से उसे प्राथमिकता दे जिसके उत्तर और पूर्व में ज्यादा स्थान छूटा हो.
- प्रोजेक्ट के लिए भूखंड वर्गाकार या आयताकार होना वास्तु शास्त्र उत्तम माना जाता है, जिसके उत्तर या पूर्व दिशा अथवा ईशान कोण में भूमिगत पानी की टंकी, कूप, नलकूप या तरणताल हो अन्य किसी भी दिशा या कोण में जल के स्त्रोत का होना अशुभ होता है.
- जेनरेटर का कमरा दक्षिण-पूर्व (आग्नेय) क्षेत्र में होना उचित है.
- अंडरग्राउंड कार पार्किंग की जरूरत हो तो इसे बेसमेंट में उत्तर, ईशान या पूर्व की ओर होना चाहिए. इसके दक्षिण, पश्चिम या नैऋत्य में होने से भंयकर विपत्तियों का सामना करना पड़ता है.

बहुमंजिली इमारत में ऊपर जाने की सीढ़ियां ईशान कोण में नहीं बल्कि दक्षिण या पश्चिम में 'घडी के काटों की दिशा में' (Clockwise) होनी चाहिए.

हमने प्रोजेक्ट का सिलेक्शन के बारे में जान लिया अब देखें प्रोजेक्ट के अंदर अपने फ्लैट का चुनाव कैसे करें?

फ्लैट्स के लेआउट के आधार पर क्रमवार निम्न बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए-

- सबसे पहले यह देखे की फ्लैट के ईशान दिशा (उत्तर पूर्व) या फ्लैट का मध्य भाग (ब्रम्हस्थान) में कोई टॉयलेट तो नहीं है ? क्योंकि ये घातक होते हैं.
- फ्लैट में सबसे अधिक खुले स्थान किस दिशा में हैं ? उत्तर और पूर्व में ज्यादा स्थान खुला-खुला होना सबसे अच्छा होता है क्यों की इन्ही दिशाओं से हमारे घरों में धनात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है.
- ईशान कोण का कटा, घटा और गोल होना अशुभ किंतु बड़ा होना शुभ होता है.
- फ्लैट ऐसा खरीदना चाहिए जो खुला और हवादार हो और जहां सुबह सूर्य का प्रकाश आता हो.
- फ्लैट में बालकनी उत्तर, ईशान या पूर्व दिशा में होनी चाहिए, ताकि सूर्य से मिलने वाली जीवनदायी ऊर्जा का भरपूर लाभ मिल सके.
- रसोईघर फ्लैट के आग्नेय कोण में होना चाहिए. यदि ऐसा संभव न हो तो यह पश्चिम या उत्तर दिशा में भी बनाया जा सकता है. खाना बनाने का प्लेटफार्म इस प्रकार हो कि पकाने वाला व्यक्ति पूर्वमुखी रहे.
- रसोई में पानी की व्यवस्था उत्तर या ईशान में होनी चाहिए.
- बच्चों के पढ़ने का कमरा या ड्राइंग रूम फ्लैट के ईशान कोण में और डाइनिंग रूम पश्चिम में बनाना चाहिए.
- मास्टर बेडरूम नैऋत्य में होना चाहिए. अन्य शयनकक्ष दक्षिण, पश्चिम, उत्तर व पूर्व में बनाए जा सकते हैं.
- फ्लैट का वायव्य कोण घर की कन्याओं एवं मेहमानों के कमरों के लिए शुभ होता है.
- नगद व आभूषण रखने वाली अलमारी उत्तर में दक्षिण या पश्चिम दिशा की दीवार से लगाकर रखनी चाहिए, इससे धन की हमेशा बरकत होती रहती है और उपरोक्तानुसार आप सभी उपलब्ध फ्लैटों में से दो या तीन का चुनाव कर लें तथा किसी अच्छे वास्तु / जियोपैथिक स्ट्रेस सलाहकार को दिखाकर उनमें से सही फ्लैट का चुनाव उनकी सहायता से करलें ताकि आपके एवं आपके परिवार के लिए एक सुखमय जीवन की राह आसान हो जाए.

अनिल कुमार वर्मा
बी टेक, एफ आई ई, एफ आई वी,
चार्टर्ड इंजीनियर, वास्तु / जियोपैथिक स्ट्रेस
सलाहकार एवं वाटर डाउसर,
सर्टिफाइड साइंटिफिक एवं पिरामिड वास्तु विशेषज्ञ
मोबाइल : 94250 28600

IIKonsole Group
Talc to your target costomers directly
Bulk SMS | SMS Panel | Voice Calls | Toll Free No. | Missed Call Service